!! कैसे बनाये निर्मल ग्राम !!

प्रस्तावना

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के महत्वकांक्षी कार्यक्रम समग्र स्वच्छता अभियान के अंतर्गत गाँव के सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि और समुदाय सभी चाहते हैं कि उनका ग्राम निर्मल घोषित हो और उनके गाँव को महामहिम राष्ट्रपति महोदय के द्वारा निर्मल ग्राम होने का पुरुस्कार प्राप्त हो।

कैसे अपनी पंचायत को निर्मल बनाया जाये ? क्या गतिविधि की जाये और किन किन लोगों को इसमें शामिल किया जावे, इस तरह के तमाम प्रश्नों के जवाब आसानी से मिलते नहीं और सारा ध्यान शौचालय निर्माण की ओर चला जाता है। जो कि निर्मल ग्राम का सिर्फ एक पक्ष है।

इस तरह की जानकारियों के आभाव और दृष्टिनिर्माण हेतु इस सूचना पेकेट का निर्माण किया गया है जिसके प्रत्येक फलक एक अलग पक्ष की जानकारी देते हैं। इन जानकारियों का प्रयोग करके निश्चित रूप से आप अपने ग्राम को निर्मल बना सकते हैं।

!! कैसे बनाये निर्मल ग्राम !!

निर्मल ग्राम पुरूस्कार

पंचायत की जनसंख्या	पुरूस्कार राशि
(1) 1000 से कम	रू. 0.50 लाख
(2) 1000 से 1999 तक	रू. 1.00 लाख
(3) 2000 से 4999 तक	रू. 2.00 लाख
(4) 5000 से 9999 तक	रू. 4.00 लाख
(5) 10000 से अधिक	रू. 5.00 लाख

राज्य स्तरीय उज्जवल ग्राम पुरूस्कार

विवरण	ग्राम पंचायत			जनपद पचांयत		जिला पचांयत	
जनसंख्या स्तर	2000 से कम	2000 से 5000 के मध्य	5000 से ऊपर	50,000 से कम	50,000 से ऊपर	10,0000 से कम	10,0000 से ऊपर
पचांयती राज संस्था	100000 रू.	200000 रू.	400000 रू.	100000 रू.	200000 रू.	30,0000 रू.	50,0000 रू.

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

पहला कदम

ग्रामसभा अर्थात् समुदाय के सभी लोगों के साथ जिसमें कम से कम गाँव के हर घर से एक सदस्य बैठक में उपस्थित हो, सबके साथ अपनी ग्राम पंचायत को निर्मल बनाने के लिए सहमति बनाये और चर्चा करें कि सभी लोग साथ मिलकर काम करेंगे।

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

पहला कदम

इस तरह की बैठक सबसे महत्वपूर्ण है, जिसमें समुदाय की भागीदारी हो क्योंकि सिर्फ कुछ लोगों के चाहने भर से ग्राम निर्मल नहीं बनेगा इसमें सामुदायिक सहभागिता आवश्यक है।

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

दूसरा कदम

निर्मल ग्राम बनाने संबंधी अपनी पंचायत का प्रस्ताव जनपद में जमा करायें जिसमें एक प्रपत्र भरना होता है इस प्रपत्र को भरकर सुनिश्चित करायें कि आपकी पंचायत का आनलाइन नामांकन हो गया है।

सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान

सफ़ाई में भलाई

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

दूसरा कदम

हमारा उद्देश्य .....

- लोगों में शौचालय की जरूरत के बारे में जागरूकता और उसके निर्माण में सहयोग । गंदगी से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम ।
- स्कूलों और अन्य शिक्षा संस्थाओं में जाकर बच्चों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व को समझाना और सफाई से रहने को प्राथमिकता देना।
- सस्ते और उपयुक्त शौचालय निर्माण की जानकारी देना और शौचालय निर्माण व इस्तेमाल में तेजी लाना ।
- छोटे बच्चों के मल-मुत्र से होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी देना एवं मल का ठीक से निपटान सुनिश्चित कराना ।

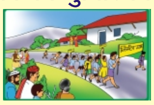

तीसरा कदम

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

पंचायत में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति का गठन करें, जिसमें महिलाओं को शामिल करना आवश्यक है। समग्र स्वच्छता अभियान के मूल उद्देश्यों पर चर्चा करें और प्रण करें कि आने वाले एक वर्ष में इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सभी मिलकर प्रयास करेंगे।

तीसरा कदम

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

- ग्रामीण क्षेत्रों के जीवन की आम गुणवत्ता में सुधार लाना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के विस्तार को गति देना।
- स्वास्थ्य-शिक्षा तथा जागरूकता के द्वारा स्वच्छता सुविधाओं की ज़रूरत महसूस कराकर इनकी मांग उत्पन्न करना।
- ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में स्वच्छता सुविधाएँ उपलब्ध कराना तथा छात्रों में स्वच्छ आदतों के प्रति रुचि पैदा करना।
- स्वच्छता हेतु सस्ती तथा उचित तकनीकों को बढ़ावा देना। स्वच्छता के अभाव में होने वाली बीमारियों की घटनाओं में कमी लाने का प्रयास।
- इस आधार पर तय करें कि ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक प्रतिमाह अथवा प्रति 15 दिनों में अवश्य आयोजित की जावेगी। साथ ही बैठकों की कार्यवाही के लिए एक अलग रजिस्टर अवश्य बनायें।

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

चौथा कदम

ग्राम परिवार की स्वच्छता है चौथा कदम, इसके अंतर्गत आपको देखना है कि ग्राम परिवार की स्वच्छता है चौथा कदम, इसके अंतर्गत आपको देखना है कि गाँव में कहाँ कहाँ अस्वच्छता है, और कैसे इसे स्वच्छ बनाया जा सकता है। जैसे कूडादान कहाँ कहाँ बनाना होगा, गाँव की गलियों को पक्की बनाना, नालियों का निर्माण, नाडेप आदि का निर्माण, सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण करना।

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

चौथा कदम

घरों की स्वच्छता और घरों से निकलने कचरे और अपशिष्ट का उचित निस्तारण कहाँ किया जावेगा। सभी परिवार कचरे के गड्ढों का निर्माण करें और उनका प्रयोग सुनिश्चित करें। इस कदम से आपके गाँव का परिवेश स्वच्छ होगा।

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

पाचवाँ कदम

शुद्ध पेयजल की उपलब्धि पर आधारित है, पाचवाँ कदम ग्राम पंचायत को देखना होगा कि गाँव में कितने पेयजल स्रोत हैं और उनकी स्थिति कैसी है, हेंडपंप का प्लेटफार्म बना हुआ है अथवा नहीं और पानी की सही निकासी होती है और गंदा पानी फैलता तो नहीं है।

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

पाचवाँ कदम

खुले हुए कुँए की जगत आदि टूटी तो नहीं हैं और उसके अंदर पेड पौधे तो नहीं हैं, साथ ही पानी की शुद्धता के लिए आवश्यक दवाई डालने की व्यवस्था और जिम्मेदारियाँ तय करनी होगी।

छटवाँ कदम

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

इस कदम के अंतर्गत आपको शालेय परिवेश और शालेय स्वच्छता कार्यक्रमों को देखना होगा कि शाला और आंगनवाड़ी में बच्चों को स्वास्थ्य शिक्षा प्राप्त होती है अथवा नहीं, बच्चों के लिए शौचालय की व्यवस्था और उनके प्रयोग, रखरखाव आदि की आदतें कैसी हैं।

छटवाँ कदम

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

बच्चे स्वच्छ हैं, उनके बाल व नाखून कटे हुए हैं, उनका गणवेश स्वच्छ है आदि। परिसर स्वच्छ है अथवा नहीं साथ ही शाला और आंगनवाड़ी आदि के रखरखाव, स्वच्छता आदि का स्तर कैसा है। शाला के अंदर कमरे दर्शनीय हैं अथवा नहीं। ग्राम पंचायत को इसके प्रबंधन और रखरखाव में शिक्षकों और बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करनी है साथ ही इसके लिए कार्ययोजना भी बनानी है।

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

सातवाँ कदम

यह सबसे महत्वपूर्ण कदम है जिसके अंतर्गत आपको समुदाय के व्यवहार परिवर्तन की दिशा में कार्य करना है। आपको सामुदायिक स्वास्थ्य व्यवहार जैसे शौच के लिए केवल शौचालयों का प्रयोग, शौच के बाद साबुन से हाथ धोना, भोजन के पूर्व और भोजन के पश्चात हाथों की सफाई, छोटे बच्चों के मल का उचित निस्तारण, शरीर की स्वच्छता,

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

सातवाँ कदम

धुंआ रहित चूल्हे का प्रयोग, पेयजल का रखरखाव और प्रयोग की पद्धतियों, अपने घर से निकलने वाले कचरे का बेहतर प्रबंधन और घर की साफ सफाई इन सब बातों को सुनिश्चित कराने के लिए आपको वार्ड के आधार पर बैठकें करना। गाँव में गठित स्वयं सहायता समूहों को इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना। समुदाय को प्रशिक्षित करना या ऐसे गाँव का भ्रमण करना जो निर्मल घोषित हो चुका है। इस तरह आपको पूर्णतः समुदाय में व्यवहार परिवर्तन के लिए कार्य करना है।

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

आठवाँ कदम

इस कदम के अंतर्गत आपको गाँव में संचालित सभी गतिविधियों का पुर्नारावलोकन करना है। इसके लिए आपको गाँव की स्वास्थ्य समिति के सदस्यों और स्वच्छता मित्रें का सहयोग लेना होगा और सतत समुदाय में जागरूकता के संदेश पहुँचाना, गृहभेंट करना और लोगों को प्रोत्साहित करना शाबासी देना आदि शामिल है। आप अपनी पंचायत में सफाई अभियान या स्वच्छता प्रतियोगिताओं का आयोजन कराये जिसमें सबसे स्वच्छ घ्ररों को पुरूस्कार दें, वार्डो के बीच में प्रतियोगिताओं का आयोजन करें और एक दूसरे को प्रोत्साहित भी करें।

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

आठवाँ कदम

शौचालय निर्माण के आसान व सस्ते मॉडल

ऑफसेट गड्ढे वाला शौचालय

लागत गड्ढे सहित	- रू.1500/-
जमीनी स्तर तक	- रू.850/-
छत स्तर तक	- रू.650/-

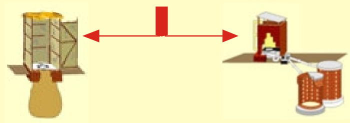

- शासन का अनुदान रू. 1200/-
- हितग्राही का अंशदान रू. 300/-

नौवाँ कदम

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

पिछले आठ कदमों को क्रियांवित करने के पश्चात् अब आप तैयार हैं। निर्मल ग्राम के निवासी बनने को। आप तैयार हो जावे जब मूल्यांकनकर्त्ता आपके गाँव का भ्रमण करने आयेंगे, इसके पूर्व आपको जिला अथवा विकासखंड के अधिकारियों को अपने ग्राम में आमंत्रित करें कि वे आपके गाँव का पूर्व मूल्यांकन करें और आपको सुझाव दें कि कहाँ और सुधार करना है।

इन सभी चरणों को पूर्ण करने के बाद आप स्वयं महसूस करेंगे कि आपका गाँव परिवर्तित पिछले आठ कदमों को क्रियांवित करने के पश्चात अब आप तैयार हैं, निर्मल ग्राम के निवासी बनने को।

नौवाँ कदम

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

आप तैयार हो जावे जब मूल्यांकनकर्ता आपके गॉव का भ्रमण करने आयेंगे, इसके पूर्व आपको जिला अथवा विकासखंड के अधिकारियों को अपने ग्राम में आमंत्रित करें कि वे आपके गाँव का पूर्व मूल्यांकन करें और आपको सुझाव दें कि कहाँ और सुधार करना है।

इन सभी चरणों को पूर्ण करने के बाद आप स्वयं महसूस करेंगे कि आपका गाँव परिवर्तित हो रहा है। गाँव से गंदगी और बीमारी धीरे धीरे बिदा हो रही है और आप स्वागत के लिए तैयार हैं एक बेहतर कल की जो आपको समृद्धि और सुख प्रदान करेगा। आवश्यक है सामूहिक मेहनत और संकल्प का।

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

दसवाँ कदम

आशा है इन दस कदमों पर चलकर आप अपने ग्राम को निर्मल बनाने में सफल होंगे, हम चाहते हैं कि महामहिम ना केवल आपको सम्मानित करें बल्कि आपके गाँव को प्रेरणा स्थल के रूप में भी चिन्हित करें जिससे आपका गाँव और गाँव के लोग अन्य गाँवों के लिए प्रेरणा स्रोत बन सकें।

निर्मल ग्राम बनाने के दस कदम

।। शुभकामनाएँ।।

हमारी शुभकामनाएं और सद्इच्छा है कि आपका ग्राम निर्मल बने इस यात्रा में यदि आपको संस्था आवश्यकता महसूस होती है तो हमसे सहर्ष संपर्क करें, हम निश्चित रूप से आपके ग्राम में भ्रमण करेंगे और आपके साथ कार्य करेंगे।

शुभकामनाओं सहित
अमीन चार्ल्स
निदेशक
कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर
भटेरा चौकी, बालाघाट
फोन : 07632 248585, 9425822228